Hindi Paper-II

Q.P. Code:00000428

[**समय** : ३ घंटे] [**पूर्णांक** : १००]

कृपया जांचें कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है या नहीं।

सूचनाएः **१. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
२. दायीं ओर के अंक पूर्ण अंक दर्शाते हैं।
३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक / उप प्रश्न क्रमांक संख्या अवश्य लिखिए|

प्रश्न १. निम्नलिखित प्रश्नों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए| (२७)

(क) "हरि सो मीत न देखौ कोई |
अन्तकाल सुमिरत तेहि अवसर आनि प्रतिच्छो होई ||
ग्राह गहे गजपति मुकरायो हाथ चक्र लै धयौ |
तजि वैकुंठ गरुड़ तजि श्री तजि निकट दास के आयौ ||
दुरवासा को साप निवारयो अंबरीष पति राखी |
ब्रहलोक परयंत फिरयो तहँ देव मुनिजन साखी ||
लाखागृह ते जरत पांडु - सत बुद्धि बल नाथ उबारे |
'सूरदास' प्रभु अपने जन के नाना त्रास निवारे ||"

अथवा

"जिन्हें देश-काल का पता नहीं
वे भी इस लड़ाई पर अपना मत रखते हैं
रूस, चीन, अमरीका, इंगलैंड का
जर्मनी, जापान और इटली का
नाम लिया करते हैं
साथियों की आँखों में आँखे डाल-डाल कर
पूछते हैं, क्या होगा|"

(ख) "गीता में जो त्रिपिटक - निकाय पढ़ते हैं,
तलवार गला कर जो तकली गढ़ते हैं,
शीतल करते हैं अनल प्रबुद्ध प्रजा का,
शेरों को सिखलाते हैं धर्म अजा का |"

अथवा

"अब भी पशु मत बनो,
कहा है वीर जवाहरलाल ने |

अन्धकार की दबी रौशनी की धीमी ललकार,
कठिन घड़ी में भी भारत के मन की धीर पुकार |
सुनती हो नागिन! समझती हो इस स्वर को?
देखा है क्या कहीं और भू पर उस नर को -
जिसे न चढ़ता जहर,
न तो उन्माद कभी आता है,
समर-भूमि में भी जो
पशु होने से घबराता है?"

(ग) "और हम क्या इसी तरह पीढ़ी दर पीढ़ी उन्हें गर्व से दिखाते रहेंगे अपनी प्राचीनताओं के खंडहर अपने मंदिर, मज्जिद, गुरुद्द्वारें ?"

अथवा

"और एक ख़ुशी कुछ-कुछ सुकरात की तरह कि इतनी ढेर सी चीज़े जिनकी मुझे कोई जरुरत है नहीं|"

प्रश्न २. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **(३६)**

(च) कबीरदास के जीवन का परिचय देते हुए उनके पदों में सदगुरु महिमां किस प्रकार से चित्रित हुई है, उसे रेखांकित कीजिए|

अथवा

'नदी और साबुन' कविता में कवि क्या कहना चाहता है, उसे स्पष्ट कीजिए |

(छ) 'हिम्मत को रोशनी' कविता में सकारात्मक एवं आशावादी संदेश पर विस्तार से प्रकाश डालिए |

अथवा

'समर शेष है' कविता में भारत की तत्कालीन परिस्तिथियों की विवेचना कीजिए |

(ज) 'अंतिम ऊंचाई' कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए |

अथवा

'घर रहेंगे' कविता के माध्यम से संपूर्ण मानव जाती को कवि क्या एहसास कराना चाहते है, उसे विस्तार से लिखिए |

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए | **(१२)**

(त) तुलसीदास के जीवन का परिचय देते हुए अयोध्याकाण्ड को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए |

(थ) युद्ध से लौटे सैनिक अपना स्वागत-सम्मान कराना क्यों नहीं चाहते? सविस्तार लिखिए |

(द) 'अबकी बार लौटा तो' कविता की संवेदना को विस्तार से लिखिए |

प्रश्न ४. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए | **(१५)**

(प) बिहारी के काव्य में उपदेशगत चित्रण |

अथवा

'आजकल लढाई का जमाना है' कविता का भावार्थ |

(फ) 'हिम्मत की रोशनी' कविता में चित्रित जूझते रहने की प्रेरणा |

अथवा

'जनता जगी हुई है' कविता में आम जनता |

(ब) 'स्पष्टीकरण' कविता का भावार्थ |

अथवा

'क्या वह नहीं होगा' कविता का उद्देश्य |

प्रश्न ५. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए | **(१०)**

१. व्यक्ति के जीवन और समाज में सबसे ज्यादा घातक क्या है?

२. तुलसिदास का जन्म उत्तर प्रदेश के किस गाँव में हुआ था?

३. सेहरा पढ़ने, सोहर गाने और ठुमरी जगानें की बात कौन करता है?

४. 'आज कसौटी पर गाँधी की आग है' कविता में भारत के प्रधानमंत्री वीर जवाहरलाल नेहरू ने क्या संदेश दिया था?

५. हमारे बच्चों को कौन खरीदकर ले जाएँगे?

६. कवि किससे अनुरोध करता है?

७. रोशनी की धार किसमें दबी है?

८. हिमालय से कौन उतर रहा है?

९. कवि ने सांझ को किसके समान कहा है?

१०. कवि जिंदा रहने पर किस तरह लौटने को कहता है?

****